अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 29-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पच्चीस बोल, तत्त्वचर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–20

प्र. 1 (पच्चीस बोल) किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) छह कोटि के त्याग में कितने भांगे रूकते हैं, संख्या लिखें।
(ख) अठारहवां दण्डक कौन सा है?
(ग) चौदहवां पाप कौन सा है?
(घ) पांचवां बोल लिखें।
(ङ) नौवें, दसवें गुणस्थान का नाम लिखें।
(च) अठारहवें बोल में दृष्टि शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?
(छ) एकाकारता से पदार्थों को जानने को क्या कहते हैं?

प्र. 2 (तत्त्वचर्चा) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 5

(क) आश्रव सावद्य या निरवद्य?
(ख) साधु तपस्या करे वह व्रत में या अव्रत में?
(ग) धर्म और धर्मी एक या दो?
(घ) अठारह पापों के सेवन का त्याग करना छह में कौन? नौ में कौन?
(ङ) पुद्गलास्तिकाय छह में कौन? नौ में कौन?
(च) जीवास्तिकाय आज्ञा में या आज्ञा के बाहर?
(छ) छह द्रव्यों में सप्रदेशी कितने? अप्रदेशी कितने?

प्र. 3 (पच्चीस बोल की चर्चा) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें– 5

(क) चार पर्याप्ति।
(ख) छह योग।
(ग) आठ उपयोग।
(घ) नौ गुणस्थान।
(ङ) सतरह दण्डक।
(च) तीन ध्यान।
(छ) दो चारित्र।

प्र. 4 (चतुर्भंगी) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) जाति जीव या अजीव?
(ख) लेश्या किस कर्म का उदय?
(ग) द्रव्य जीव या अजीव?
(घ) किस दृष्टि वाले जीव कम, किस दृष्टि वाले जीव अधिक?

(ङ) दण्डक किस कर्म का उदय?
(च) तुम्हारे में योग कितने?
(छ) किस आश्रव के जीव कम, किस आश्रव के जीव अधिक?

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) कर्म प्रकृति–20

प्र. 5 (जैन तत्त्व प्रवेश) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10
(क) विशेष गुण कितने हैं? उनके नाम लिखें।
(ख) आश्रव के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण का विवेचन करें।
(ग) ज्ञानावरणीय और दर्शनावरणीय कर्म के क्षयोपशम से होने वाली अवस्थाओं को लिखें।
(घ) जीव और कर्म का मिलाप कैसे होता है? क्या पहले जीव और बाद में कर्म बने, यह ठीक है?
(ङ) सावद्य-निरवद्य द्वार।
(च) आत्म द्वार।
(छ) विस्तार द्वार से बंध के भेदों का वर्णन करें।

प्र. 6 (कर्म प्रकृति) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10
(क) प्रदेश बन्ध किसे कहते हैं?
(ख) अन्तराय कर्म की गुणस्थान में अवस्थिति लिखें।
(ग) अशुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।
(घ) मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का कार्य एवं स्थिति लिखें।
(ङ) ज्ञानावरणीय कर्म को बंध हेतु लिखें।
(च) दर्शनावरणीय कर्म की उत्तर प्रकृतियां कितनी हैं? नाम लिखें।
(छ) वेदनीय कर्म की स्थिति का वर्णन करें।

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय, तृतीय खण्ड)–20

प्र. 7 बावन बोल–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6
(क) बाईस परीषह किस-किस कर्म के उदय से?
(ख) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?
(ग) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?
(घ) चौदह गुणस्थान छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 8 इक्कीस द्वार–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें (कितना व कौन-कौन सा)– 6
(क) अभाषक–जीव के भेद, गुणस्थान, योग, उपयोग।
(ख) चक्षुदर्शनी–गुणस्थान, योग, लेश्या, दण्डक।
(ग) देवता–आत्मा, दृष्टि, दण्डक, उपयोग।
(घ) वायुकाय–योग, भाव, आत्मा, लेश्या।

प्र. 9 जैन तत्त्व प्रवेश–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) उपासक प्रतिमा द्वार में–नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं प्रतिमा लिखें।

(ख) पुण्य-पाप द्वार लिखें।

(ग) नय, प्रमेय एवं निक्षेप का वर्णन करें।

लघुदण्डक व पांच ज्ञान–20

प्र. 10 लघुदण्डक–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें (कोई तीन द्वार)– 12

(क) दर्शन द्वार।

(ख) च्यवन द्वार।

(ग) आहार द्वार।

(घ) इन्द्रिय द्वार।

(ङ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय के पांच भेदों की स्थिति लिखें।

प्र. 11 पांच ज्ञान–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) अवधिज्ञान और मनःपर्यव ज्ञान की भिन्नता विशुद्ध और क्षेत्र विषय के भेद से लिखें।

(ख) प्रतिबोधक दृष्टान्त लिखें।

(ग) अक्षर श्रुत, अनक्षर श्रुत और सम्यक् श्रुत के बारे में लिखें।

संजया-नियंठा–20

प्र. 12 संजया–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) परिहार विशुद्धि चारित्र की गति-स्थिति-पद्वी द्वार लिखते हुए बताएं कि ये अपनी उत्कृष्ट स्थिति से आगे क्यों नहीं जाते?

(ख) छेदोपस्थापनीय चारित्र का अन्तर द्वार लिखें।

(ग) सूक्ष्म सम्पराय चारित्र का प्रव्रज्या द्वारा लिखें।

(घ) सामायिक चारित्र का उपसंपद्हान द्वार लिखते हुए बताएं कि उपसंपद्हान किसे कहते हैं?

प्र. 13 नियंठा–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पुलाक किसे कहते हैं, उसके भेदों का वर्णन करें।

(ख) निर्ग्रंथ का काल द्वार लिखें।

(ग) कषाय कुशील का कर्म बंध तथा कर्म उदीरणा द्वार लिखें।